आर.एन.आई.नं. RAJBIL/2010/52404

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं, विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम्।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्य, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम् ॥

सेवा सौभाग्य

पू. कैलाश जी 'मानव' | मूल्य » 5 | वर्ष » 13 | अंक » 150 | मुद्रण तारीख » 1 जून 2024 | कुल पृष्ठ » 24

मां–बाप का उठा साया
पढ़ाई से टूटा नाता

संस्थान ने थामा मासूमों का हाथ

नारायण सेवा संस्थान
उदयपुर
पीड़ित जन की सेवा कर
परमार्थ का पुण्य पाएं
एक कृत्रिम अंग सहयोग
₹ 5000
narayanseva@sbi
Follow us on
/nssudaipur
/narayansevasansthan
/@narayanseva_
narayansevasansthan

मूल्य » 5 वर्ष » 13 अंक » 150 मुद्रण तारीख » 1 जून 2024 कुल पृष्ठ » 24

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva

सेवा सौभाग्य

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालयः 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत
» फोन नं. +91-294-6622222, वाट्सऐपः +91-7023509999

इस माह सेवा अंक

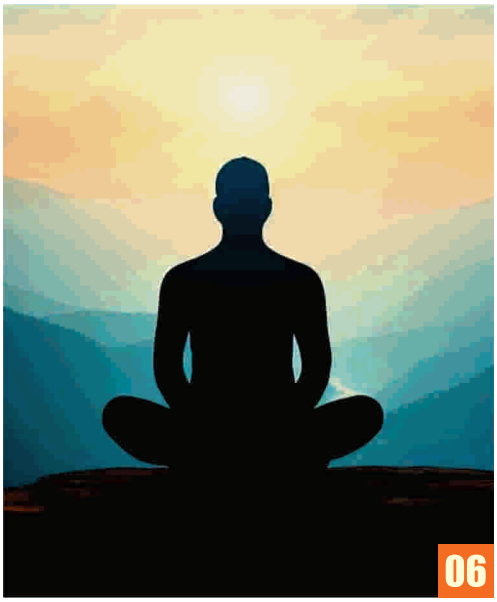

सम्पादक मंडलः मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल, सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग » विष्णु शर्मा हितैषी-भगवान प्रसाद गौड़, डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

Seva Soubhagya Print Date 1 June, 2024 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

संपूर्ण समाज आराध्य

हम सभी के अंतःकरण में यह भाव स्थायी रूप से रहना चाहिए कि अपंग, दुर्बल, अशिक्षित, वंचित, उपेक्षित मानव के रूप में साक्षात् परमात्मा ही हमारे सम्मुख आते हैं, कहीं ऐसा न हो कि हम उनके कृपा भाव से वंचित रह जाएं।

सेवक और सेवित दो अलग वर्ग नहीं हैं। अपनत्व व स्नेह भाव से ही सेवा होनी चाहिए। हम और आप की सोच भी यही है कि सेवा के माध्यम से वंचित समाज में श्रेष्ठ जीवन की आकांक्षा जाग्रत करनी है। संपूर्ण समाज हमारा आराध्य है और उसकी सेवा ही आराधना है। स्वामी विवेकानंद के उस कथन को नहीं भूलें जिसमें उन्होंने कहा कि 'मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है।' आपश्री के सेवाभाव से आज हजारों दिव्यांग, निराश्रित रोगी और उपेक्षित बंधु-बहिनें संस्थान के विभिन्न निःशुल्क सेवा प्रकल्पों से लाभान्वित होते हुए आपके प्रति आभार व्यक्त कर रहे हैं।

हम सभी के अंतःकरण में यह भाव स्थायी रूप से रहना चाहिए कि अपंग, दुर्बल, अशिक्षित, वंचित, उपेक्षित मानव के रूप में साक्षात् परमात्मा ही हमारे सम्मुख आते हैं, कहीं ऐसा न हो कि हम उनके कृपा भाव से वंचित रह जाएं। इस वर्ग की सेवा सुश्रुषा से मिलने वाला आशीष ही उस परमपिता की कृपा होगी, जिससे जीवन सार्थकता पा जाएगा। हमें वंचितों को उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति में सहभागी बनकर उनका सशक्तिकरण करना है, इससे समाज स्वतः सशक्त होगा। सेवा, जीवन को उत्कृष्ट और पूर्ण बनाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। इसमें व्यक्ति सभी प्रकार की सुखानुभूति करता है। भौतिक सुख-सुविधाएं इसमें साधन बनती हैं।

इस संबंध में गायत्री पीठ के संस्थापक पं. श्रीराम शर्मा आचार्य का मानना था कि जब तक परमात्मा द्वारा आत्मा को संतुष्ट नहीं किया जाएगा, उसकी मांग पूरी न की जाएगी, तब तक सब सुख-सुविधाएं होते हुए भी मनुष्य को एक अभाव और अतृप्ति-बेचैन करती ही रहेगी। शरीर अथवा मन को संतुष्ट कर लेना भर ही वास्तव में सुख नहीं है, वास्तविक सुख है -आत्मा को संतुष्ट करना, उसे प्रसन्न करना।

सेवा कार्यों से अपना कुछ भी भला नहीं होता, ऐसा सोचना भी एकदम भ्रांतिपूर्ण है। सेवा से आत्मिक संतोष, प्रफुल्लता, सद्भावना और आध्यात्मिक बोध की प्राप्ति होती हैं, जो कई प्रकार के प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष लाभ का कारण भी बनती है। दुःख की भांति ही सुख को भी बांटकर जीने से जीवन का असली आनंद पाया जा सकता है।

अकेले न दुःख ढोया जा सकता है और न सुख को जीया जा सकता है। सुख -दुःख जीवन यात्रा के दो आवश्यक पड़ाव हैं। कहां किस प्रकार की सेवा की आवश्यकता है, यह देश काल की परिस्थितियों पर निर्भर करता है। सेवा का आपका - हमारा भाव बना रहे, ईश्वर से यही प्रार्थना है। प्रणाम।

–'सेवक' प्रशांत भैया

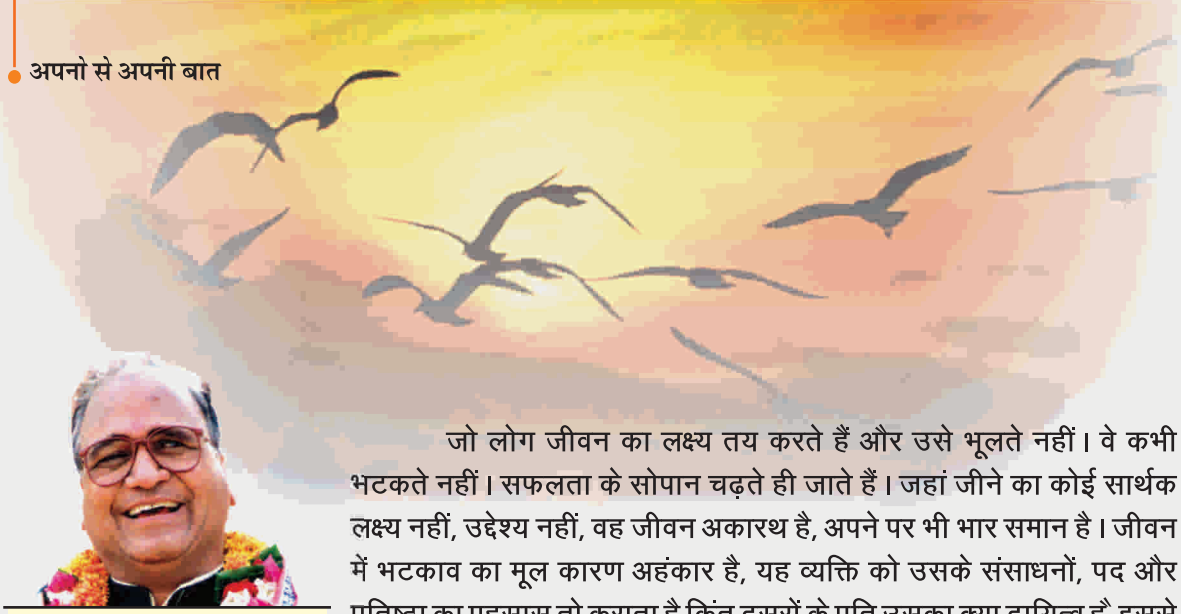

श्री कैलाश 'मानव'

स्थायी मुकाम नहीं संसार

जीव की यात्रा का संसार एक पड़ाव है, स्थायी मुकाम नहीं। जो इस बात को भूल जाता है, वह मकड़ी की तरह खुद के बुने जाल से कभी छूट नहीं पाता। दीन- दुःखी, अपंग, असहाय और पीड़ित की सेवा में जो सामर्थ्यानुसार तन-मन और धन समर्पित करता है, वह अपने स्वरूप में स्थिर रहता हैं।

जो लोग जीवन का लक्ष्य तय करते हैं और उसे भूलते नहीं। वे कभी भटकते नहीं। सफलता के सोपान चढ़ते ही जाते हैं। जहां जीने का कोई सार्थक लक्ष्य नहीं, उद्देश्य नहीं, वह जीवन अकारथ है, अपने पर भी भार समान है। जीवन में भटकाव का मूल कारण अहंकार है, यह व्यक्ति को उसके संसाधनों, पद और प्रतिष्ठा का एहसास तो कराता है किंतु दूसरों के प्रति उसका क्या दायित्व है, इससे विमुख ही रखता है। जिसने अहंकार को गला दिया समझो उसने अपने जीवन को तीर्थ यात्रा का रूप दे दिया। भौतिक समृद्धि का अहं ही मनुष्य के भटकाव का मूल कारण है, लौकिक पदार्थों के प्रति ममता और आसक्ति के स्थान पर प्रभु से अनन्य प्रीति और अनुराग से ही जीवन की सार्थकता का ज्ञान प्राप्त होता है।

जीव की यात्रा का संसार एक पड़ाव है, स्थायी मुकाम नहीं, जो इस बात को भूल जाता है, वह मकड़ी की तरह खुद के बुने जाल से कभी छूट नहीं पाता। दीन-दुःखी, अपंग, असहाय और पीड़ित की सेवा में जो सामर्थ्यानुसार तन-मन और धन समर्पित करता है, वह अपने स्वरूप में स्थिर रहता हैं।

एक बार राजा भोज वन भ्रमण को गए। उनके साथ कवि कालिदास भी थे। दोनों आपस में ज्ञान चर्चा करते बढ़ रहे थे। पता ही न चला कि कब संध्या ढल गई। रास्ता भटक गए। उन्हें सामने घास का गट्ठर उठाए आ रही वृद्धा मिली। राजा ने पूछा-यह रास्ता किधर जा रहा है ? वृद्धा बोली-बेटा ! रास्ता तो स्थिर है यात्री इस पर आया- जाया करते हैं। तुम कौन हो, कहां जाना है? राजा ने कहा-हम मुसाफिर हैं रास्ता भटक गए हैं। वह बोली- 'मुसाफिर तो सूर्य, चंद्रमा हैं निरंतर चलते रहते हैं। सच बताओ तुम कौन हो।' जवाब मिला- 'मैं राजा हूं और यह मेरे सहयात्री कवि कालिदास हैं। वृद्धा ने कहा-राजा तो केवल दो हैं-एक आत्मा और दूसरा परमात्मा। परमात्मा का राज सर्वत्र दिखाई देता है और आत्मा संपूर्ण शरीर को नियंत्रित करता है। 'तब राजा ने हाथ जोड़कर कहा मां! हम भटके हुए साधारण लोग हैं।' दरअसल भोज ने अपने पद के अहंकार में जब वृद्धा से मार्ग पूछा तो वह सामान्य शिष्टाचार भी भूल गया। उसे प्रणाम भी नहीं किया। कवि कालिदास पर भी विद्वता का भ्रम सवार था। वृद्धा ने कहा बेटा! अब तुम सही रास्ते पर हो, यहीं से बाएं चले जाओ धार नगरी पहुंच जाओगे। अब कभी भटकना मत। बन्धुओं! यह प्रसंग संकेत देता है कि जिस दिन हमें आत्मा- परमात्मा और उनसे हमारे संबंधों का ज्ञान हो जाएगा, उसी दिन आत्मबोध भी प्राप्त हो जाएगा। इस स्थिति तक पहुंचने के लिए अहं को मिटाकर परमार्थ के मार्ग पर ही चलना होता है।

स्वस्थ जीवन की सहज पद्धति : योग

21 जून–विश्व योग दिवस

योग एक आचरण पद्धति है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपना शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, भावनात्मक व आध्यात्मिक विकास सहज रूप में कर सकता है।

महर्षि पतंजलि ने स्वस्थ जीवन हेतु अष्टांग मार्ग यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि बताए हैं। इसी का तीसरा अंग है आसन। अक्सर हम देखते हैं कि हर मनुष्य किसी न किसी प्रकार के तनाव में जीता है और उसके मन का यह तनाव उसके शरीर पर, चेहरे के भाव या हाथ-पांव की गतिविधियों के माध्यम से देखने को मिलता है। कुछ मनुष्यों की आदत होती है कि वे अपनी बात को प्रस्तुत करने के लिए हाथ हिला हिलाकर समझाने की कोशिश करते हैं। कभी हम देखते हैं कि कुछ व्यक्ति समूह में बैठे होने पर भी स्थिर ना रहते हुए हिलते-डुलते रहते हैं या यूं कहें कि सबके बीच असुविधाजनक महसूस करते हैं तो कभी किसी के चेहरे पर हमेशा तनाव दिखाई देता है। मनुष्य को इन कमजोरियों को दूर करने के लिए यदि वह आसनों का अभ्यास प्रतिदिन करे तो शरीर में स्थिरता आती है और प्राणायाम का प्रतिदिन अभ्यास कर मन की चंचलता समाप्त होती है। इससे मन शांत, स्थिर व एकाग्र होता है। जब शरीर और मन शांत व स्थिर होते हैं तो अपने आप ही आत्मविश्वास बढ़ता है तथा विपरीत परिस्थितियों को समझने में सहायता मिलती है। आसन, प्राणायाम के अभ्यास से दृष्टिकोण में बदलाव आकर सकारात्मकता बढ़ती है, जिससे मनुष्य अपने उद्देश्य में सफलता की ओर अग्रसर होता है। महर्षि पतंजलि ने इसे 'योगःनिश्चत वृत्ति निरोधः' के रूप में परिभाषित किया है। मन, चित्त आदि वृत्तियों का अर्थात चंचलता का निरोध करना, उसे नियंत्रित करना ही योग है। इसी प्रकार धारणा और ध्यान की बात करें तो धारणा का मतलब है किसी विषय या वस्तु पर मन को एकाग्र करना। ध्यान मतलब मन का इतना एकाग्र हो जाना कि साधक का बाहरी जगत से संपर्क टूट जाए और वह अंतर्मुखी- आत्मलीन हो जाए। यह अवस्था ध्यान से प्राप्त होती है। इस प्रकार योग को 'योगः कर्मसुकौशलम' इस रूप में भी परिभाषित किया गया है, जिसका अर्थ है हम जो भी कार्य कर रहे हैं उसे पूरी तन्मयता, एकाग्रता व कुशलता के साथ करें। ध्यान हमारे मन की वह अवस्था है जो कि जन्म से मृत्यु तक हमारे साथ रहती है, किंतु समय के साथ आने वाली विपरीत परिस्थितियों के कारण बिखरती भी जाती है और जब ज्यादा बिखेरने लगती है, तो हमें उसे समेटने की आवश्यकता होती है और हम ध्यान करने लग जाते हैं। इन सारी बातों से स्पष्ट है कि योग किसी धर्म से संबंधित नहीं है, बल्कि योग स्वयं ही एक धर्म है, क्योंकि मनुष्य को जीवन में कर्म करना व कर्म किस प्रकार करना चाहिए, यह योग सिखाता है। इस प्रकार योग श्रेयस (वास्तव में जो होना या करना चाहिए) तथा प्रेयस (जो हम अपने मन के कहने पर करना चाहते हैं) का भेद हमें समझाता है।

दान-पुण्य का महापर्व निर्जला एकादशी

समाज के करूण हृदयी व सक्षम वर्ग द्वारा गरीब,असहाय और पीड़ितों की सहायता का पुण्य पर्व है-निर्जला एकादशी, जो हमें सम्पूर्ण प्रकृति को अपना परिवार मानते हुए उसके रक्षण का सन्देश देता है। प्रकृति ठीक उसी तरह जैसे हमारा पोषण करती है।

वर्ष भर में चौबीस एकादशी आती हैं। इनमें ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी (17 जून) सर्वोत्तम फल देने वाली है। केवल इस एकादशी का व्रत रखने मात्र से सभी एकादशियों का फल प्राप्त हो जाता है। इसे निर्जला एकादशी कहा गया है। जिसमें सूर्योदय से द्वादशी के सूर्यास्त तक जल भी न पीने का विधान है। इसका व्रत वृकोदर भीमसेन सहित सभी पांडवों ने भी किया था, अतएव इसे 'भीमसेन एकादशी' भी कहा जाता है।

शास्त्रों के अनुसार इस एकादशी के व्रत से दीर्घायु तथा मोक्ष मिलता है। यह व्रत अत्यंत संयम साध्य है। इस दिन निर्जल व्रत करते हुए शेषशायी रूप में भगवान विष्णु की आराधना का विशेष महत्व माना गया है। चूंकि इस दिन पानी नहीं पिया जाता, इसलिए यह व्रत अत्यधिक श्रम-साध्य होने के साथ-साथ कष्ट एवं संयम साध्य भी है। ऐसी दशा में इतना कठिन व्रत रखना सचमुच बड़ी साधना का काम है।

ऐसा व्रत जल के अभाव में आपातकाल में भी जीना सिखाता है। ऐसे व्रत हमारे धर्म, संस्कृति और देश में किसी न किसी उद्देश्य से रखे गए हैं ताकि हम जीवन में किसी भी आपात स्थिति से निपट सकें। गर्मी से समाज के सभी वर्गों को राहत मिले, इसलिए इन दिनों मीठे व ठंडे जल की छबीलें लगाने की प्रथा, उत्तर भारत में सदियों से चली आ रही है। इसी कारण हमारे धर्म में आज के दिन खरबूजे, पंखे, छतरियां, आसन, फल, जूते, अन्न, भरा हुआ जल कलश आदि दान करने का प्रावधान है ताकि सबल समाज द्वारा निर्बल और असहायों की सहायता हो सके। इस दिन पशु-पक्षियों को दाना-चारा खिलाना व गरीबों, पीड़ितों को दान करने का बड़ा महत्व है।

पूजा विधि -

- पीले वस्त्र धारण करके भगवान विष्णु-लक्ष्मी की प्रतिमा के सामने घी का दीपक जलाएं। गंगा जल से अभिषेक करें। पुष्प और तुलसी दल अर्पित कर, प्रतिमा के सामने एकादशी व्रत की कथा का वाचन करें या कथा का श्रवण करें। संभव हो तो इस दिन व्रत भी रखें। भगवान की आरती करें और भगवान को भोग लगाएं।

गर्मी में इन्हें बनाएं आहार का हिस्सा

गर्मी से बचने के लिए प्राकृतिक आहार जरूरी है। ये कई परेशानियों से तो बचाता ही है, स्वास्थ्य को भी मजबूती देता है। बुजुर्गों के लिए तो इस मौसम में यह बेहद जरूरी है।

- खीरा - खीरे में 96 प्रतिशत पानी होता है, जो गर्मी में पानी की कमी पूरी करता है।
- तरबूज - तरबूज गर्मी वाले फलों में सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। यह भी पानी की कमी को दूर करने में बहुत कारगर है। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर तरबूज को जूस, फल, स्मूदी के रूप में खाया जा सकता है।
- स्ट्रॉबेरी - इसमें 92 प्रतिशत पानी मौजूद होता है। साथ ही इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स के गुण भी मौजूद होते हैं। इसीलिए स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी आदि को दुनिया के कई देशों में चाव से खाया जाता है। वर्कआउट करने के बाद इसे स्नैक्स की जगह भी खा सकते हैं। इससे शरीर को पानी और दूसरे मिनरल्स मिलते हैं।
- गाजर - बीटा कैरोटिन का अच्छा स्रोत गाजर त्वचा को सूरज की रोशनी से होने वाले फ्री रैडिकल के नुकसान से बचाती है। यह सनबर्न से भी बचाव करती है।

हर कोई बिना किसी स्वास्थ्य की समस्या के गर्मी का आनंद लेना चाहता है। लेकिन ऐसा आम तौर पर हो नहीं पाता। गर्मी में सनबर्न, शरीर में पानी की कमी होना और फूड प्वॉइजनिंग जैसी समस्याएं काफी आम हैं। ऐसे में यदि इन परेशानियों से बचना है तो प्राकृतिक भोजन को सुबह-शाम के भोजन में शामिल करें।

- ग्रीन टी - एक कप ग्रीन टी से शरीर को कैटेचिन नाम का एक तत्व मिलता है। कैटेचिन में कई बीमारियों को दूर भगाने के गुण मौजूद हैं, इससे सनबर्न की वजह से होने वाली सूजन और अल्ट्रा वायलट की हानिकारक किरणों के नुकसान से भी छुटकारा मिलता है।
- अनार - यह फल एंटीऑक्सीडेंट्स का खजाना हैं। इसमें इलाजिक एसिड होते हैं, जो सूरज की यूवी किरणों से त्वचा की कोशिकाओं को क्षतिग्रस्त होने से बचाते हैं।
- शिमला मिर्च-हरी, लाल और पीली शिमला मिर्च एंटीऑक्सीडेंट और पानी से भरपूर होती हैं।
- नारियल पानी - नारियल पानी में पाए जाने वाले सोडियम और क्लोरिन खून की सफाई करते हैं। ताजे नारियल का पानी ऊर्जावान और फुर्तीला बनाता है, क्योंकि इसमें पोटैशियम और मैग्नीशियम होते हैं।
- टमाटर - टमाटर एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है। यह यूवी किरणों से होने वाले नुकसान से भी बचाता है।

ऑपरेशन हेतु दिव्यांग जॉच-चयन, नारायण लिम्ब एवं कैलिपर्स माप शिविर

दिनांक : 09 जून 2024, रविवार

समय : प्रात: 8:00 से सायं 4:00 बजे तक

शिविर स्थान: अल्प बचत भवन,
7 क्वींस गार्डन, विधान भवन मार्ग
नियर पुणे रेल्वे स्टेशन, पुणे
महाराष्ट्र-411001

स्थानीय सम्पर्क:
9529920093,
7023509999

नारायण लिंब एवं कैलीपर्स फिटमेंट शिविर

दिनांक : 16 जून 2024, रविवार

समय : प्रात: 8:00 से सायं 4:00 बजे तक

शिविर स्थान: ईडन गार्डन
फंक्शन पैलेस (हॉल) किंग कोटी, नियर सेन्ट
जोसफ स्कूल, हैदराबाद (तेलंगाना)

स्थानीय सम्पर्क:9573938038
040-24743188, 7023509999

रूठी खुशियों ने गले लगाया

अमेठी,(उप्र) निवासी राजाराम-फूलवती की पुत्री नेहा (24) जन्मजात दोनों पैरों से पोलियो ग्रस्त है। नेहा रोज चुनौतियों का सामना कर जीवन बिता रही थी। दूसरों पर आश्रित होते हुए भी जैसे-तैसे उसने बी.ए. तक की शिक्षा का सफर पूरा किया।

माता-पिता उसकी दिव्यांगता के कारण बहुत दुःखी थे। उन्होंने हर संभव उपचार करवाया परन्तु कहीं से भी लाभ नहीं मिला। बेटी के भविष्य की चिंता माता-पिता को खाये जा रही थी। उनके दिन रोते हुए और रातें जागते हुए गुजर रहीं थी।

लेकिन कहते हैं ना ...मुश्किल और उदासी भरे दिन कभी तो ढलेंगे, नए पुष्प राहों में फिर से खिलेंगे। ऐसा ही कुछ हुआ नेहा के साथ भी। वर्ष 2023, नवंबर में नारायण सेवा संस्थान द्वारा निःशुल्क पोलियो सुधारात्मक ऑपरेशन के बारे में जानकारी मिली। परिजन बिना समय गंवाए उसे संस्थान ले आये जहां डॉक्टर्स की टीम ने जाँच कर सफल ऑपरेशन कर कैलिपर्स पहनाया। अब नेहा बिना किसी सहारे और तकलीफ के आसानी से अपने पैरों पर खड़ी हो चलती है। माता-पिता खुश हैं। नेहा को भी लगता है कि रूठी खुशियां फिर लौट आई हैं।

पुनीत की गाड़ी पुनः पटरी पर

'22 दिसंबर 2022 का वह दिन मैं भूलना चाहता हूँ पर भूल नहीं पाता। इस दिन ठंड के चलते सड़क पर धुंध थी और मैं ट्रक को बहुत सावधानी से आगे बढ़ा रहा था कि अचानक ट्रक का अगला टायर फट गया। ट्रक असंतुलित हो गया, आगे थोड़ी ही दूर पर जा रहे ट्रक से भिड़ने की आशंका से मैं सिहर उठा, बावजूद इसके ट्रक को संभाला और उसे डिवाइडर से भिड़ा दिया। बहुत बड़ा हादसा तो टल गया, लेकिन मैं गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उपचार के दौरान दायां पांव खोना पड़ा। शरीर पर अन्य चोटें तो कुछ दिनों में ठीक हो गई लेकिन पांव खोने का मुझे आज भी अफसोस है।'

यह करूण कहानी कर्नाटक के ट्रक चालक पुनीत कुमार की है। उन्होंने बताया कि इलाज में काफी वक्त और पैसा लग गया। रोजगार भी छिन गया। वे अब ट्रक चला नहीं सकते थे। रोजगार के लिए आना-जाना भी मुश्किल था। परिवार पर जीविकोपार्जन का संकट आ गया।

एक दिन सोशल मीडिया पर नारायण सेवा संस्थान की निःशुल्क कृत्रिम अंग बनाने और देने की जानकारी मिलने पर वे फरवरी 2024 में उदयपुर में आए। यहां उनके पांव का माप लेकर कृत्रिम पांव बनाकर पहनाया गया। अभी आराम से उठते-बैठते और चलते हैं। रोजगार की समस्या को भी संस्थान ने हल कर दिया। वे कौशल विकास केंद्र में मोबाइल रिपेयरिंग का तीन माह प्रशिक्षण पूरा करने वाले हैं। वे कहते हैं कि अब भले ही मैं ट्रक न चला सकूं किन्तु जीवन की गाड़ी के फिर से पटरी पर लौटने से बहुत खुश हूँ।

जन्मांध बालक ने देखी पहली सुबह

संस्थान ने कराया ऑपरेशन, जन्मभूमि पर नवाया शीश

कुदरत भी कभी-कभी किसी के भाग्य में ऐसा उलटफेर करती है कि अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाता है। ऐसा ही कुछ हुआ उदयपुर जिले की आदिवासी बहुल कोटड़ा तहसील की उमरिया पंचायत के लोहारी गाँव के 7 वर्षीय बालक पूना उर्फ नकाराम तराल के साथ।

जन्मांध इस बच्चे के सिर से 6 माह की उम्र में पिता लाताराम का साया उठ गया और कुछ माह बाद बीमारी ने माँ कान्ति देवी का आँचल भी इससे छीन लिया। माँ की मौत का सदमा बड़ा भाई सहन नहीं कर पाया और एक सप्ताह बाद वह भी चल बसा। चार माह बाद कुपोषण के कारण भाभी भी बच्चे के प्रसव के बाद काल का ग्रास बन गई। पूना, बड़े भाई उजमाराम बहिन इंद्रा व दिवंगत भाई-भाभी का नवजात भूपेश व उसकी बहन चंद्रिका के लिए अब नीचे धरती और ऊपर आकाश था।

मासूमों पर टूटे इस कहर में एक पड़ोसी वृद्ध दम्पति कुछ दिनों सहायक बनी। इसी बीच गाँव की आशा सहयोगिनी लीला देवी को मदद की किरण नारायण सेवा संस्थान में दिखाई दी। उनके द्वारा संस्थान से सम्पर्क कर स्थिति से अवगत कराने पर संस्थान ने तुरन्त साधक टीम को लोहारी भेजा और बच्चों को 27 फरवरी 2024 को उदयपुर लाया गया। जिन्हें जिला बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया। जिसने पूना को संस्थान के आवासीय विद्यालय में भेजा और शेष बच्चों की भी उचित व्यवस्था करवाई। संस्थान निदेशक वन्दना जी अग्रवाल ने समय गंवाए बिना बच्चे के नेत्रोपचार के लिए चिकित्सकों से सम्पर्क किया। संस्थान के चिकित्सकों ने बालक का हिमोग्लोबिन जांचा जो मात्र 4.5 था और ऑपरेशन के अनुकूल नहीं था। नगर के जानेमाने अलख नयन मंदिर नेत्र चिकित्सालय के डॉ. एल.एस. झाला ने भी बच्चे की आँखों का परीक्षण कर बताया कि कुपोषण, खून की कमी व आंखों की कुछ नसें ब्लॉक होने से तत्काल ऑपरेशन संभव नहीं है। एक माह तक बच्चे को गहन चिकित्सा प्रक्रिया में रखने और संतुलित आहार देने के बाद 23 अप्रैल व 30 अप्रैल को आँखों का अत्याधुनिक अमरीकी तकनीक से ऑपरेशन हुआ। जब 6 मई को आँखों से पट्टी हटाई गई तो पूना ने जन्म के सात साल बाद अस्पताल की खिड़की से पहली सुनहरी सुबह के दर्शन किए। उसने संस्थान व चिकित्सालय का आभार जताते हुए कहा कि छोटी उम्र में कड़े इम्तहान से उबरने में मिली इस मदद को वह कभी नहीं भूलेगा और पढ़-लिखकर परिवार को संभालने के साथ मुझ जैसे ही पीड़ितों का सहारा बनने का भी कोई अवसर नहीं चुकेगा। ऑपरेशन के कुछ ही दिन बाद पूना को उसके गाँव ले जाया गया, जहाँ उसने अपनी झोपड़ी की देहरी पर माथा टेका और लोगों से आशीर्वाद लिया।

मां-बाप का उठा साया, पढ़ाई से टूटा नाता

संस्थान ने थामा पांच आदिवासी बच्चों का हाथ

माता-पिता की मौत के बाद ही पुत्री रंजना (12) ललिता (10) पुत्र संतोष (9) पुत्री मनीषा (6) और चार वर्षीय पुत्र पवन मीणा बेसहारा हो गए ।

उदयपुर के निकट जयसमंद के गामड़ी ग्राम पंचायत में स्थित परतावत फला निवासी पांचा मीणा की पत्नी पदु मीणा की करीब डेढ़ वर्ष पूर्व बीमारी के चलते मौत हो गई। उसके एक वर्ष बाद पांचा की भी मौत भी हो गई। दोनों की मौत के बाद उनके पांचों मासूम बच्चों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। तीन बच्चों की पढ़ाई छूट गई तो एक बच्चे को गामड़ी मुख्यालय पर स्थित राउमावि गामड़ी के शिक्षकों ने सहयोग कर पांचवी की पढ़ाई पूर्ण करवाई। बड़ी बच्ची को पढ़ाई छोड़ दैनिक मजदूरी पर जाकर भाई-बहिनों का पालन-पोषण करने के लिए मजबूर होना पड़ा। बहिन के मजदूरी पर जाने के बावजूद इन्हें एक समय का भोजन भी ठीक से नहीं मिल पा रहा था। पांचों भाई-बहिन कच्ची झोपड़ी में जिंदगी गुजार रहे हैं। इनके बड़े काका अर्जुन मीणा की भी माली हालात खराब होने एवं उनके भी अधिक संतान होने से सभी बच्चों की परवरिश करने में वे भी असक्षम थे। आस-पड़ोस और समाजजन द्वारा संस्थान को इस परिवार की जानकारी मिली तो बच्चों के लिए खाने-पीने एवं कपड़ों की व्यवस्था की गई और आगे भी हर संभव मदद को जारी रखने आश्वासन दिया है।

कृत्रिम अंग के लिए 600 दिव्यांगजन का लिया माप

संस्थान के तत्वावधान में 28 अप्रैल को कोयंबटूर (तमिलनाडु) में दिव्यांगों की सेवार्थ निःशुल्क ऑपरेशन जांच-चयन और आर्टिफिशियल लिंब मेजरमेंट शिविर माहेश्वरी भवन, केएनजी पुदुर पिरिवु में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष श्रीगोपाल माहेश्वरी, सचिव श्री संतोष मूंदडा, संस्थान के संरक्षक श्री कमल किशोर अग्रवाल, राजस्थानी संघ के अध्यक्ष श्री गौतम श्रीमाल व जायसवाल समाज अध्यक्ष श्री अटल गुप्ता ने दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया। श्री माहेश्वरी ने कहा कि कोयंबटूर में संस्थान की सेवाओं को जरूरतमंद और दिव्यांगजन तक पहुंचाने में हर संभव मदद करेंगे।

प्रारम्भ में संस्थान के महागंगोत्री प्रकोष्ठ प्रभारी रजत गौड़ ने मंचासीन अतिथियों व सोम्यमपालयम् के सरपंच रंगराज, पार्षद सैंथिल, कीकानी ट्रस्ट के तुषार किकानी, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष श्री श्रवण बोहरा व समाजसेवी श्री के.वी. वेंकटेश्वरन का स्वागत-सत्कार किया। उन्होंने आगामी 5 वर्ष के सेवा प्रकल्पों से अवगत कराया। स्वयंसेवी स्थानीय संगठन अग्रवाल समाज, माहेश्वरी सभा, राजस्थानी संघ, हरियाणा समाज, जायसवाल समाज, श्री राजस्थान जैन मूर्ति पूजक संघ, पंजाबी एसोसिएशन, श्री कोयंबटूर गुजराती समाज,

श्री कोयंबटूर जैन महासंघ, ब्राह्मण समाज कोयंबटूर, आदर्श यूपी समाज, सिंधी फॉर्म कोयंबटूर, सिंधी कौंसिल ऑफ इंडिया, श्री बाबा रामदेव संघ, कोयंबटूर वेलफेयर एसोसिएशन, भारत कला संगमम्, जाट समाज और एलन इंस्टीट्यू सहित सामाजिक कार्यकर्ताओं सौरभ तिवारी, रोबिन बाबेल, राजेंद्र भाटिया, श्रीमती संतोष सिंघल, ममता अग्रवाल का अभिनंदन संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी भगवान प्रसाद गौड़ और जसबीर सिंह ने किया।

शिविर में 1000 से अधिक दिव्यांग आए जिनकी संस्थान की पीएंडओ डॉ. नेहा व डॉ. अंकिता की 20 सदस्यीय टीम ने जांच की। शिविर में 575 दिव्यांगों का नारायण आर्टिफिशियल लिंब और 80 का केलिपर्स लगाने के लिए मेजरमेंट लिया गया। करीब 30 से ज्यादा दिव्यांग रोगियों का चयन उदयपुर में शल्य चिकित्सा हेतु भी किया गया। शिविर प्रभारी हरि प्रसाद लढ्ढा ने जानकारी दी कि कास्टिंग और मेजरमेंट के लिए चयनित बंधु-बहिनों को करीब 3 माह बाद पुनः कोयम्बटूर में ही शिविर आयोजित कर लिम्ब पहनाए जाएंगे।

शिविर में कन्याकुमारी, हैदराबाद, बंगलौर, केरल, मैसूर सेलम,नागरकोयल आदि दूरस्थ क्षेत्रों से भी निःशक्तजन पहुंचे। सभी के भोजन, चाय, अल्पाहार की व्यवस्था की गई। संयोजन जितेंद्र वर्मा एवं बंगलौर आश्रम प्रभारी खूबीलाल ने एवं धन्यवाद ज्ञापन तेरापंथ जैन समाज के जैनसुख वेद ने किया। दामोदर सोमानी, मनोज गग्ड का भी शिविर में योगदान रहा।

गाजियाबाद : एडवांस वॉल्वस् प्रा.लि. नोएडा-सूरजपुर के सौजन्य से 16 अप्रैल को गाजियाबाद (उ.प्र.) में लोहियानगर स्थित गौरी शंकर मंदिर प्रांगण में नारायण लिम्ब एवं कैलीपर फिटमेंट शिविर संपन्न हुआ। जिसमें 28 दिव्यांगजन को कृत्रिम हाथ-पैर 22 को 36 कैलीपर प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि एडवांस वॉल्वस् प्रा.लि. के डायरेक्टर श्री संजीव जी अग्रवाल थे। अध्यक्षता श्री गौरी शंकर मंदिर प्रबंध मंडल के अध्यक्ष श्री रविंद्र जी, गोयल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री प्रदीप गुप्ता जी, रामेश्वर दयाल जी, राकेश जी, अमन जी गर्ग, मुकेश जी गुप्ता एवं श्रीमती शशि शर्मा मंचासीन रहीं। शिविर प्रभारी श्री अखिलेश अग्निहोत्री ने अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया।

गुवाहाटी में पहला कृत्रिम अंग माप शिविर

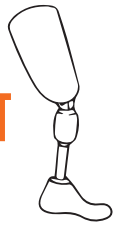

मानव सेवा ही श्रेष्ठ धर्म:राज्यपाल

दिव्यांगों को शारीरिक, सामाजिक, आर्थिक एवं बौद्धिक रूप से सशक्त बनाने में समाज और सरकार को मिलकर जिम्मेदारी उठानी चाहिए। यह बात दिव्यांगों की सेवार्थ नारायण सेवा संस्थान द्वारा आयोजित निःशुल्क शिविर में 12 मई को असम के राज्यपाल श्री गुलाबचंद जी कटारिया ने कही। वे नारायण आर्टिफिशियल लिंब मेजरमेंट शिविर को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने संस्थान के संस्थापक श्री कैलाश जी 'मानव' व अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल का असम में सेवा विस्तार के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि दूसरों की मदद करना श्रेष्ठ कर्म है। दिव्यांग जनों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के साथ नारायण सेवा संस्थान भी योगदान कर रहा है। नर में नारायण को मानकर देश के हर राज्य में सेवा का जो बीड़ा संस्थान ने उठाया है। वह सराहनीय है। उन्होंने संस्थान को पूर्वोत्तर में सेवा विस्तार के लिए राजभवन से मदद की घोषणा की। आशी अप्सरा हॉल, पलटन बाजार में आयोजित

शिविर का राज्यपाल कटारिया, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अनीता जी कटारिया व मंचासीन अतिथि पूर्बोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के विनोद लोहिया, दिगम्बर जैन पंचायत के महावीर प्रसाद जैन, बिहार फाउंडेशन के उमेश कुमार,मारवाड़ी हॉस्पिटल के रमेश गोयंका, ब्राह्मण समाज के रतन शर्मा, संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल व श्वेतांबर जैन तेरापंथ के बजरंग सुराणा ने दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। इसमें 1000 से अधिक दिव्यांगों का पंजीयन हुआ। संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल ने संस्थान के निःशुल्क प्रकल्पों की जानकारी देते हुए अतिथियों का अभिनन्दन किया। इस दौरान राज्यपाल ने 11 दिव्यांगों को व्हील चेयर वितरित की। महागंगोत्री प्रभारी रजत गौड़ ने संस्थान की 39 वर्षीय सेवाओं की जानकारी देते हुए आगामी 5 वर्ष के सेवा विजन से अवगत कराया। शिविर संयोजक अचल सिंह भाटी ने शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। शिविर में 205 दिव्यांगों का नारायण आर्टिफिशियल लिंब और 80 का केलिपर्स लगाने के लिए मेजरमेंट लिया गया। करीब 130 से ज्यादा दिव्यांग रोगियों का चयन उदयपुर में शल्य चिकित्सा हेतु भी किया गया। शिविर प्रभारी हरिप्रसाद लढ्ढा ने जानकारी दी कि कास्टिंग और मेजरमेंट के लिए चयनित बंधु-बहिनों को करीब 3 माह बाद पुनः गुवाहाटी में ही शिविर आयोजित कर लिम्ब पहनाए जाएंगे। केम्प में नागालैंड, मणिपुर, अरूणाचल प्रदेश और मिजोरम आदि पड़ोसी राज्यों से भी निःशक्तजन पहुंचे। सभी को निःशुल्क भोजन, चाय, अल्पाहार प्रदान किया गया। संयोजन महिम जैन ने किया।

झीनी झीनी रोशनी–61

कैलाश जी चुपचाप यह सब देख रहे थे और अन्दर ही अन्दर गुस्से से जल रहे थे। उनको अपने 8 रू. 25 पैसे वापस लेने थे इसलिये चुप थे मगर कन्डक्टर की इस बात से उनका धैर्य जवाब दे गया, वह खीझ कर बोल उठे- जय हनुमान, जय हनुमान करते रहते हैं, अभी यहां हनुमान जी प्रगट हो गये तो क्या करेंगे। कन्डक्टर अपनी जगह से उठ खड़ा हुआ और कैलाश जी के पास आकर बोला- हनुमान तो भगवान हैं वो आ गये तो उनकी पूजा करेंगे, और क्या करेंगे? कैलाश जी अपने आपको रोक नहीं पाए और बोल पड़े - नहीं आप उनसे भी लड़ाई करोगे, सबसे लड़ाई जो करते फिरते हो। कैलाश जी की बात से एक बार तो ऐसे लगा जैसे कन्डक्टर सहम गया हो मगर अगले ही क्षण वह आंखें तरेरते हुए कैलाश जी की तरफ बढ़ा। कैलाश जी डर कर चुपचाप बस में जाकर बैठ गए।

इतनी बात हो जाने, यात्रियों के निरन्तर परेशान होने के बावजूद दोनों ने आराम से टायर बदला और बस रवाना की। घन्टे डेढ़ घन्टे का समय व्यर्थ में ही बरबाद हो गया। उदयपुर पहुँचते ही कैलाश जी को अपने पैसे लेने की चिन्ता हो गई। वह कन्डक्टर पर निगाह रखे हुए थे मगर अन्य यात्रियों के उतरने के बाद जब कैलाश जी उतरे तो उन्हें वह इधर-उधर कहीं नजर नहीं आया। कैलाश जी की सांसे ऊपर की ऊपर और नीचे की नीचे अटक गई। उन्हें फिकर होने लगी कि कन्डक्टर कहीं उनके पैसे लेकर चला न जाये। उन्होंने काफी देर तक सब तरफ देखा, एकाध लोगों को पूछा भी तभी उन्हें वह एक रेस्टोरेन्ट में चाय पीते नजर आ गया। कैलाश जी वहां पहुँच गए और उनसे अपने सवा आठ रू. लौटाने को कहा।

कन्डक्टर ने फिर आंखें तरेरी और कहा- तेरे पैसे देने है, भाग कर कहीं थोड़े ही जा रहा हूं, चाय पीने दे फिर देता हूं। उसके चाय पीने तक वे इन्तजार करते रहे। इसके पश्चात उसने अपने बैग से 8 रू. और 25 पैसे निकाल कर ऐसा मुँह बिगाड़ा जैसे वह भीख दे रहा हो। कैलाश जी को तो अपने पैसों से मतलब था, पैसे हाथ में आते ही भगवान को लाख-लाख धन्यवाद दिया और आगे बढ़े। उदयपुर जाने के लिये स्वयं को तैयार करते हुए अतीत की ये घटनाएं बरबस ही उनके मानस पटल पर उभर आई थीं।

प्रशिक्षण बैच का समापन

संस्थान द्वारा दिव्यांगजन को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए उनकी चिकित्सा एवं कृत्रिम अंग प्रदान करने एवं सामूहिक विवाह के माध्यम से उनका घर-संसार बसाने के साथ ही उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए निःशुल्क स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। मई के प्रथम सप्ताह में सिलाई प्रशिक्षण के 33वें और मोबाइल रिपेयरिंग के क्रमशः पांचवें व 40वें बैच का समापन हुआ। दोनों ही प्रशिक्षणों में विभिन्न राज्यों के प्रशिक्षणार्थी शामिल थे। निदेशक वन्दना अग्रवाल ने इन्हें प्रमाण-पत्र के साथ सिलाई व मोबाइल सुधार के काम आने वाले किट प्रदान किए। इस अवसर पर संस्थान संस्थापक पूज्य गुरूदेव एवं संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने अपने संदेश में प्रशिक्षणार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। उल्लेखनीय है कि सिलाई में 12 व मोबाइल में 30 दिव्यांगजन ने प्रशिक्षण लिया।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

स्वर्गीय श्री हिरेन चौहान पुत्र
श्री नवीन चौहान
मेनचेस्टर - यू.के

संस्थान के सम्बल

स्व. श्री राजमल जी 'एस.' जैन
चेयरमैन, नेत्र नेत्र राज्य समिति, बिसलपुर, पाली (राज.)

स्व. डॉ. आर.के. अग्रवाल
विख्यात
कैंसर रोग विशेषज्ञ

स्व. श्री पी.जी. जैन
गौरेगांव/हरियामाली
(सोजत रोड़)

स्व.श्री चैनराज जी लोढा
मुम्बई/चाणेराव
(पाली)

प्रेरणा स्त्रोत

स्व. आचार्य श्रीराम जी शर्मा
एवं भगवती देवी जी

स्व. श्री मदन लाल जी एवं
मातुश्री सोहिनी देवी जी

संस्थान के परम संरक्षक
श्री रमेश भाई चावड़ा
(यू.के.)

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

.....

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514, लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

.....

श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर, भूलीनगर

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ोताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर
रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714,
बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

.....

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108 अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657, कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
डॉ. सतीश शर्मा,मो. 09416121278
ओपीपी. गली नंबर 19, गोविंद डेयरी मेन रोड करण विहार नियर मेरठ रोड
करनाल 132001

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर,मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट-133001

.....

श्रीमान अजीत कुमार जी
शास्त्री (क्लॉथ मर्चेन्ट)
9416367996
चन्द्रभान वाली गली, गांव व पोस्ट-शहजादपुर
तहसील-नारायणगढ़
जिला-अम्बाला-134202

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

.....

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर जिला हमीरपुर - 176040

.....

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम, पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंगलो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरेली

.....

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया, जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट, गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

.....

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
07073452174, 09529920088
07073474438, फ्लेट नं. 5/ई
सुनील कुमार डोकानिया, न्यु ओस्वाल ओनिक्स, जैसल पार्क, भायन्दर ईस्ट थाने, 401105

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर जोधपुर (राज) 342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-बी-5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक, लश्कर,ग्वालियर 474001

हरियाणा

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936 जीए,गली नं.-10,राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ. केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
7727868019,मकान न. 2249, सेक्टर-14,हिसार 125005

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी, बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,मकान नं.- 216, बांगुर एवेन्यू, ब्लॉक-बी, ग्राउण्ड फ्लोर, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) पिन कोड-700055

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज
09351230393, म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

पंजाब

लुधियाना
07023101153
381/382, बी-17, गुलाटी डांस क्लास के पास, भारत नगर, लुधियाना 141001

चण्डीगढ़
7073452176, 8949621058
मकान नंबर 3468 ग्राउंड फ्लोर, सेक्टर - 46-सी, चंडीगढ़ (पिन कोड - 160047)

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
मो.: 9529920081 म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोड़िया रोड, वडोदरा -390019

दिल्ली

रोहिणी
08588835718
08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8 रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156
07023101167
सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

विकासपुरी, नई दिल्ली
09257017592,मकान नं. 342 ब्लॉक-सी, मद्रासी मन्दिर के पास विकासपुरी 110018

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरैपी सेन्टर

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07073474438, नारायण सेवा संस्थान 68-डी, राधिका धाम के पास, कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48 विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

मध्य प्रदेश

इन्दौर
09529920087,12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर-452018

दिल्ली

फतेहपुरी
08588835711, 07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कोलोनी, दुर्गापुरी चौक, शाहदरा

उत्तर प्रदेश

गाजियाबाद
(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन निःशुल्क फिजियोथेरपी सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

लोनी
07023101163
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

आगरा
07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी,नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080, 6375387481
आशीष नगर सोसायटी अभिषेक सोसायटी के पास मीना बाजार चार साला मेघानीनगर अहमदाबाद गुजरात 380016

राजकोट
09529920083, बी-33, शिव शक्ति कोलोनी, जेटको टावर के सामने, यूनिर्वसिटी रोड, राजकोट 360005

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साई लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

राजस्थान

जयपुर
9529920089, बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार....

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000 रू.	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000 रू.
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000 रू.	13 ऑपरेशन के लिए	52,500 रू.
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000 रू.	5 ऑपरेशन के लिए	21,000 रू.
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000 रू.	3 ऑपरेशन के लिए	13,000 रू.
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000 रू.	1 ऑपरेशन के लिए	5,000 रू.

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए सहयोग हेतु मदद)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000 रू.
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000 रू.
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000 रू.
नाश्ता सहयोग राशि	7,000 रू.

दुर्घटनाग्रस्त एवं दिव्यांगों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

वस्तु	एक नग सहयोग	तीन नग सहयोग	पांच नग सहयोग	ग्यारह नग सहयोग
तिपहिया साईकिल	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.
व्हील चेयर	4,000 रू.	12,000 रू.	20,000 रू.	44,000 रू.
कैलिपर	2,000 रू.	6,000 रू.	10,000 रू.	22,000 रू.
वैशाखी	500 रू.	1,500 रू.	2,500 रू.	5,500 रू.
कृत्रिम अंग (हाथ–पैर)	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.

गरीब को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल/कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रतिशक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 7,500 रू.	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 22,500 रू.
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 37,500 रू.	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 75,000 रू.
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 1,50,000 रू.	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 2,25,000 रू.

शिक्षा से वंचित आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने मे करें मदद

एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	1,100 रू.
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000 रू.
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000 रू.

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI

Google Pay PhonePe Paytm

narayanseva@sbi

अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान के नाम से संस्थान के खाते में जमा करवाकर हमें सूचित करें

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियती मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे। ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ्य लाभ लेने का सादर आमंत्रण है।

Tel. : +91 294 6622222
+91 7023509999
E-mail: narayanseva.org

सेवा बनें स्वभाव • सेवा बनें स्वभाव • सेवा बनें स्वभाव • सेवा बनें स्वभाव • सेवा बनें स्वभाव • सेवा बनें स्वभाव • सेवा बनें स्वभाव •

Narayan Children Academy
Unit of Narayan Seva Sansthan

बच्चों के सुन्दर सपनों को साकार करें

शिक्षा से वंचित आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने में करें मदद	
एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	1,100 रू.
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000 रू.
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000 रू.

Donate via UPI

Google Pay
PhonePe
Paytm

narayanseva@sbi

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय: 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत

Seva Soubhagya Print Date 1 June, 2024 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-